गोमती की सूरत बदली न सीरत

रिवर फ्रंट योजना के लिए मिले ₹1100 करोड़, 70% ड्रेजिंग पूरी करने का दावा

Rohit.Mishra1
@timesgroup.com

■ **लखनऊ :** गोमती पहली की तरह अब भी मैली है। पानी पहले ही की तरह स्याह है। 1090 के पास काम शुरू होने के पहले से लेकर अब तक हुए काम के बाद गोमती की सूरत में कोई अंतर नहीं आया है। सिंचाई विभाग का दावा है कि गोमती की 70 फीसदी ड्रेजिंग पूरी हो चुकी है। बाकी 30 फीसदी बारिश के पहले पूरी हो जाएगी।

बीते साल प्रदेश सरकार ने गोमती की सूरत संवारने की घोषणा की थी। दावा किया था कि गोमती रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। तमाम तरह के मनोरंजन के साधन होंगे। गोमती का पानी साफ होगा। हालांकि दावों के विपरीत स्थितियां कमोबेश वैसी ही हैं। ये हाल तब है जबकि गोमती रिवर फ्रंट डिवेलपमेंट सीएम के ड्रीम प्रॉजेक्ट्स में शामिल है। 1100 करोड़ रुपये के इस प्रॉजेक्ट में सबसे अहम हिस्सा गोमती को साफ बनाना था। इसके लिए ड्रेजिंग कराई जानी थी और गोमती में नाले गिरने से रोकना था। बावजूद इसके न तो नाले रुके और न ही अब तक ड्रेजिंग पूरी हुई। हालांकि रिवर फ्रंट प्रॉजेक्ट के लिए अधिकारियों ने योजनाएं कई बना रखी हैं।

एक तरफ सरकार गोमती को निर्मल करने का दावा कर रही है, दूसरी ओर लगातार गंदे नाले गिर रहे हैं।

मौके की स्थिति आंकड़े में

- 11 किमी डायफ्राम वॉल बन चुकी है। 12 किमी बननी है।
- 10 किलोमीटर डेड मैन एंकर बनना है। 12 किलोमीटर कुल निर्माण होना है।
- 70% ड्रेजिंग हो चुकी है।
- 1.2 मीटर हाई रेलिंग बननी है। अभी काम शुरू नहीं हुआ।
- 8 किलोमीटर इंटरसेप्टर ड्रेन बन चुका है। 27 किलोमीटर का ड्रेन बनना है।

एक-दूसरे को काटेंगे साइकल-जॉगिंग ट्रैक

गोमती को समेटने के बाद बाएं तट पर बची जमीन पर साइकल ट्रैक, जॉगिंग ट्रैक और वॉकिंग ट्रैक बनने की शुरुआत हो गई है। खास बात ये कि ट्रैक एक दूसरे के पैरलल न होकर एक दूसरे को जगह-जगह पर काटते हुए गुजरेंगे। साइकल ट्रैक की चौड़ाई 3.6 मीटर होगी, जबकि जॉगिंग ट्रैक 2.4 मीटर और वॉकिंग पाथ 4.8 मीटर होगा।

पानी बनाए रखने के लिए बनेगा रबर डैम

रिवर फ्रंट डिवेलपमेंट के अंतिम छोर, ला-मार्ट्स के करीब एक रबर डैम बनाने का काम चल रहा है। इस रबर डैम का काम गोमती में पानी की मात्रा बनाए रखना होगा। सिंचाई विभाग का दावा है कि जुलाई तक इस डैम का काम पूरा हो जाएगा। यहां की गति देखते हुए इस बात को माना जा सकता है कि सिंचाई विभाग डैम का काम पूरा कर सकता है।

फूड स्टॉल्स और कई रेस्टोरेंट भी बनेंगे

गोमती के दाएं तट पर बची हुई जमीन में पर्यटकों के लिए कई फूड स्टॉल्स खुलने के अलावा रेस्टोरेंट भी बनवाने की योजना है। हर 500-600 मीटर के अंतराल पर एक एंट्री गेट होगा। गेट के पास ही पार्किंग और वॉटर कूलर लगे होंगे। इन्हीं के आसपास रेस्टोरेंट और फूड स्टॉल्स बनाए जाएंगे।

100 मीटर ही चौड़ी रह जाएगी गोमती

जिस तरह से डायफ्राम वॉल खड़ी कर दी गई हैं, इसके बाद गोमती की औसत चौड़ाई शहर के भीतर केवल 100 मीटर की रह जाएगी। कुछ जगहों पर इसे सर्पीलाकार कर दिया जा रहा है, जहां चौड़ाई कुछ बढ़कर 130 मीटर हो जाएगी। गोमती का कैचमेंट एरिया पहले ही अनधिकृत कब्जे में था और अब गोमती का फ्लो एरिया भी घट जाएगा।